मशीनीकरण – विकसित भारत का मार्ग

राजेश मोवलिया

प्रबंध निदेशक, कैप्टन ट्रैक्टर्स प्राइवेट लिमिटेड

भारत का 2047 तक एक विकसित राष्ट्र में बदलना एक सीमा तक उसके कृषि क्षेत्र की प्रगति पर निर्भर करता है। जबकि सुधार, मूलभूत संरचना और नीतियाँ अपनी जगह पर हैं, असली बदलाव जमीनी स्तर पर आरम्भ होना चाहिए - छोटे और सीमांत किसान के साथ। और कृषि मशीनीकरण से अधिक कोई और इस तेजी से बदलाव को नहीं बढ़ा सकता। यह केवल मानव श्रम को मशीनों से बदलने के बारे में नहीं है, बल्कि समय पर, कुशल और बुद्धिमान कृषि पद्धतियों को सक्षम करने के बारे में है जो उच्च उत्पादकता और लाभप्रदता सुनिश्चित करती हैं।

अधिकांश भारतीय किसानों के पास दो हेक्टेयर से कम जमीन है, जो प्रायः बड़ी, पारंपरिक मशीनों को अव्यवहारिक बना देती है। मशीनीकरण, प्रभावी होने के लिए, समावेशी होना चाहिए - भारतीय किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों और परिस्थितियों के लिए विकसित किया जाना चाहिए। कैप्टन ट्रैक्टर्स में, हमने कॉम्पैक्ट, शक्तिशाली और लागत-कुशल ट्रैक्टर और उपकरण बनाकर इस मिशन के लिए स्वयं को प्रतिबद्ध किया है जो इस सेगमेंट को ठीक से पूरा करते हैं।

हम भूमि को समझते हैं, हम लोगों को समझते हैं, और सबसे महत्वपूर्ण बात, हम उन लोगों के सपनों को समझते हैं जो भूमि पर खेती करते हैं। यह समझ ही हर नवाचार, हर उत्पाद लाइन और शोध एवं विकास में हमारे द्वारा किए जाने वाले हर निवेश को प्रेरित करती है।

कैप्टन ट्रैक्टरः निर्माण छोटे किसानों के लिए कैप्टन ट्रैक्टर प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना एक लक्ष्य के साथ की गई थी - भारत के छोटे और सीमांत किसानों के लिए मशीनीकरण को सुलभ और प्रासंगिक बनाना। पिछले कुछ वर्षों में, इस एकमात्र फोकस ने हमारी उत्पाद रणनीति, विनिर्माण प्रक्रियाओं और किसान आउटरीच कार्यक्रमों को निर्देशित किया है। 10 एचपी से 28 एचपी तक के मिनी और कॉम्पैक्ट ट्रैक्टरों की हमारी रेंज, आवश्यक उपकरणों के पूरे सेट के साथ, भारतीय किसानों की वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन की गई है - संकीर्ण खेत लेआउट, चुनौतीपूर्ण मिट्टी, कम निवेश क्षमता और हर मशीन में बहुमुखी प्रतिभा की आवश्यकता।

हमें 20 एचपी ट्रैक्टर के लिए सीएमवीआर प्रकार की स्वीकृति प्राप्त करने वाली भारत की पहली कंपनी होने पर गर्व है, एक महत्वपूर्ण कदम था जिसने पूरे देश में कॉम्पैक्ट ट्रैक्टर के उपयोग के लिए द्वार खोल दिए। यह स्वीकृति केवल एक विनियामक उपलब्धि नहीं थी, बल्कि भारतीय कृषि क्रांति में एक मील का पत्थर थी - यह इस बात का प्रमाण है कि छोटी मशीनें बड़ा बदलाव ला सकती हैं। आज हमारा नेटवर्क पूरे देश में फैला हुआ है, और हमारे निर्यात ने भारतीय नवाचार को

वैश्विक स्तर पर पहुँचाया है। कैप्टन ट्रैक्टर्स गर्व से 75 से अधिक देशों को निर्यात करता है, जिसमें अफ्रीका, दक्षिण-पूर्व एशिया, दक्षिण अमेरिका और पूर्वी यूरोप के क्षेत्र सम्मिलित हैं। ये बाजार, भारत की तरह ही, छोटे किसानों से बने हैं, जो स्मार्ट, कॉम्पैक्ट, ईंधन-कुशल मशीनों से लाभान्वित होते हैं। हमारी वैश्विक यात्रा इस बात का प्रमाण है कि भारतीय इंजीनियरिंग, जब उद्देश्य और व्यावहारिकता पर आधारित होती है, तो हमारी सीमाओं से परे चुनौतियों का समाधान कर सकती है। कमियों को पहचानना हमारे उत्पाद दर्शन का केंद्र है। उदाहरण के लिए, भारत में कई किसान अभी भी सामर्थ्य संबंधी चुनौतियों के कारण जुताई और भूमि तैयार करने के लिए बैलों का उपयोग करते हैं। दूसरी ओर, यहाँ तक कि जिनके पास बड़े ट्रैक्टर हैं, वे भी प्रायः प्रायः अंतर-खेती के लिए किराए के छोटे ट्रैक्टरों पर निर्भर रहते हैं - ऐसे कार्य जिनमें संकरी फसल पंक्तियों के बीच से गुजरने के लिए कॉम्पैक्ट उपकरणों की आवश्यकता होती है। इन दोनों महत्वपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, हमने हाल ही में गुजरात में कैप्टन लिटिल मास्टर 120 पेश किया है। यह मॉडल खास तौर पर उन किसानों के लिए बनाया गया है जो अभी तक बैल खेती से मशीनीकृत खेती में बदलाव नहीं कर पाए हैं। यह मशीनीकरण में एक विश्वसनीय, लागत प्रभावी प्रवेश प्रदान करता है। दूसरों के लिए, यह एक आदर्श द्वितीयक ट्रैक्टर के रूप में कार्य करता है - खरपतवार निकालने, छिड़काव करने और तंग फसल के बीच काम करने जैसे अंतर-सांस्कृतिक कार्यों के लिए एक चुस्त साथी। कम मूल्य, कम ईंधन खपत और आसान हैंडलिंग के साथ, लिटिल मास्टर यह सुनिश्चित करता है कि मशीनीकरण की यात्रा में कोई भी किसान पीछे न छूट जाए। कैप्टन ट्रैक्टर केवल किसानों की मांग का जवाब नहीं दे रहा है, हम इसे सक्रिय रूप से आकार दे रहे हैं। हमारा सदैव ये मानना रहा है कि नवाचार को हार्डवेयर तक सीमित नहीं रखना चाहिए। इसलिए हम डीलर प्रशिक्षण, बिक्री के बाद सेवा, वित्तीय सहायता और समुदाय-आधारित आउटरीच में भारी निवेश करते हैं। हमारे ट्रैक्टर केवल मशीन नहीं हैं - वे सशक्तिकरण के उपकरण हैं।

भविष्य की ओरः हरित प्रौद्योगिकी और उन्नत समाधान

कैप्टन ट्रैक्टर्स का सदैव ये मानना रहा है कि खेती का भविष्य स्थिरता और बुद्धिमत्ता के साथ-साथ शक्ति और स्थायित्व पर भी निर्भर करता है।

ये ट्रैक्टर न केवल अधिक कुशल और एर्गोनॉमिक रूप से डिजाइन किए गए होंगे, बल्कि स्मार्ट डैशबोर्ड, आरामदायक सीटिंग, सटीक खेती की क्षमता और कई अन्य सुविधाओं से भी लैस होंगे। इसका लक्ष्य खेती के चक्र के हर चरण में तकनीक को सक्षम बनाना है-भूमि की तैयारी से लेकर कटाई तक। हर पीढ़ी के साथ, हम न केवल भागों को अपग्रेड कर रहे हैं, बल्कि खेती के अनुभव को भी अपग्रेड कर रहे हैं।

ये सभी चीजें विकसित भारत के विजन के साथ सहज रूप से मेल खाती हैं। एक आत्मनिर्भर भारत का आरम्भ एक आत्मनिर्भर किसान से होना चाहिए। मशीनीकरण वह साधन है जिसके माध्यम से हमारे सबसे छोटे और सबसे वंचित किसानों तक सम्मान, दक्षता और समृद्धि लाई जा सकती है। पैदावार बढ़ाने से लेकर उन्नत मृदा प्रबंधन और जल संरक्षण को सक्षम करने तक, ट्रैक्टर - विशेष रूप से कॉम्पैक्ट वाले - आधुनिक भारतीय कृषि के लिए महत्वपूर्ण हैं।

कैप्टन ट्रैक्टर्स इस बदलाव का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है, न केवल मशीनें बनाकर, बल्कि प्रगति की संस्कृति का निर्माण करके। जैसे-जैसे हम दुनिया भर में भारत में निर्मित ट्रैक्टरों का निर्यात करते हैं, हम यह सुनिश्चित करने पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं कि हर भारतीय किसान - चाहे वह एक चैथाई एकड़ खेती करता हो या बीस एकड़ - के पास आगे बढ़ने, फलने-फूलने और नवाचार करने के साधन हों।

जैसे-जैसे हम अपनी मशीनों से अपने देश की कृषि के विकास को बढ़ावा देते हैं, वैसे-वैसे हम हर उस किसान के सपनों को भी शक्ति प्रदान करते हैं - जो अधिक करना, अधिक उगाना और अधिक कमाना चाहता है। यही कैप्टन का वचन है। यही कैप्टन का मिशन है।